राजस्थान बोर्ड कक्षा 10 हिंदी 2020 मॉडल पेपर-1

RBSE CLASS 10 HINDI 2020 MODEL PAPER - 1

Time : 3¼ Hours MM : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

खण्ड -1

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अनुशासन किसी वर्ग या आयु-विशेष के लिए ही नहीं, अपितु सभी के लिए ही परमावश्यक होता है। जिस जाति, देश और राष्ट्र में अनुशासन का अभाव होता है, वह अधिक समय तक अपना अस्तित्व नहीं बनाए रख सकता है। जो विद्यार्थी अपनी दिनचर्या निश्चित अवस्था में नहीं ढाल पाता, वह निरर्थक है क्योंकि विद्या ग्रहण करने में व्यवस्था ही सर्वोपरि है। अनुशासन का पालन करते हुए जो विद्यार्थी योगी की तरह विद्याध्ययन में जुट जाता है, वही सफलता पाता है। अनुशासन के अभाव में विद्यार्थी का जीवन शून्य बन जाता है। कुछ व्यवधानों के कारण विद्यार्थी अनुशासित 'नहीं रह पाता और अपना जीवन नष्ट कर लेता है। सर्वप्रथम बाधा है-उसके मन की चंचलता। उसे अनुभव नहीं होता है, इसलिए गुरुजनों की आज्ञाएँ तथा विद्यालयों के नियम, अभिभावकों की सलाह उसे कारागार के समान प्रतीत होते हैं। वह उनसे मुक्ति का मार्ग तलाशता रहता है। कर्तव्यों को तिलांजलि देकर केवल अधिकारों की माँग करता है। हर प्रकार से केवल अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए संघर्ष पर उतारू हो जाता है और यहीं से उच्छृखलता और अनुशासनहीनता का जन्म होता है।

1. प्रस्तुत गद्यांश का एक उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. अनुशासन किनके लिए आवश्यक होता है? 1

3. विद्यार्थी जीवन में अनुशासित रहने में क्या बातें बाधक होती हैं? 2

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो,

अगर तुम ठान लो तारे गगन के तोड़ सकते हो,

अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने-

सुयश का एक नव अध्याय' भी तुम जोड़ सकते हो,

तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है-

उसी विश्वास को फिर आज जन-जन में जगाओ तुम!

पसीना तुम अगर इसमें अपना मिला दोगे,

करोड़ों दीन-हीनों को नया जीवन दिला दोगे।

तुम्हारी देह के श्रम-सीकरों में शक्ति है इतनी

कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।

नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है,

इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम!

4. विश्व के इतिहास में अपना सुयश कौन और कैसे लिख सकते हैं? 1

5. दीन-हीनों को नया जीवन कब मिल सकता है? 1

6. "कहीं भी धूल में तुम फूल सोने का खिला दोगे"-इसका आशय लिखिए। 2

खण्ड -2

7. दिए गए बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : 8

(क) शिक्षित नारी : सुख समृद्धिकारी- (i) प्रस्तावना (ii) शिक्षित नारी का समाज में स्थान (iii) शिक्षित नारी-आदर्श गृहिणी (iv) उपसंहार।

(ख) पर्यावरण संरक्षण : धरा का भूषण-(i) प्रस्तावना (ii) पर्यावरण प्रदूषण (iii) पर्यावरण संरक्षण की उपयोगिता (iv) उपसंहार।

(ग) राजस्थान में बढ़ता जल संकट-(i) प्रस्तावना (ii) जल संकट की स्थिति और कारण (iii) जल संकट के समाधान के सुझाव (iv) उपसंहार।

(घ) विज्ञान : वरदान या अभिशाप-(i) प्रस्तावना (ii) विज्ञान का अभूतपूर्व विकास (iii) मानव के लिए वरदान व अभिशाप (iv) उपसंहार।

8. ग्राम पंचायत बसेड़ी के सचिव की ओर से जिला कलेक्टर धौलपुर को गर्मी के मौसम में पानी की समुचित व्यवस्था हेतु कार्यालयो पत्र लिखिए। 4

अथवा आप क्रिश कम्प्यूटर सेंटर, नागौर के प्रबंधक हैं। कम्प्यूटर खरीदने के संबंध में पंजीकृत कंपनी के लिए व्यावसायिक पत्र लिखिए।

खण्ड : 3

9. सकर्मक क्रिया एवं परिणामवाचक विशेषण की परिभाषा दीजिए। 2

10. "मोहन श्याम ने हमें सिखाया था।" वाक्य में निहित कारक. काल और वाच्य लिखिए। 3

11. कर्मधारय समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए। 2

12. निम्नलिखित वाक्यों को शद्ध करके लिखिए- 1×2=2

(क) राम आये तो मोहन जाता (ख) मोहन ने वहन को बुलाये

13. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए : 1×2=2

(क) पानी-पानी होना। (ख) हवा से बातें करना।

14. 'थोथ चना बाजै घना' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।

खण्ड-4

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6

लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता का अवतार।
देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार,
नकली युद्ध व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार,
सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खिलवार,
महाराष्ट्रकुल देवी उसकी
भी आराध्य भवानी थी
बुन्देले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसी वाली रानी थी।

अथवा

कहेउ लखन मुनि सील तुम्हारा। को नहिं जान बिदित संसारा ।।
माता पितहि उरिन भए नीकें। गुरु रिनु रहा सोचु बड़ जीकें।
सो जनु हमरेहि माथे काढ़ा। दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा।
अब आनिअ ब्यवहरिआ बोली। तुरत देउँ मैं थैली खोली॥
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा ।।
भृगुबर परसु देखावहु मोही। बिप्र बिचारि बचउँ नृपद्रोही॥
मिले न कबहुँ सुभट रन गाढ़े। द्विज देवता घरहि के बाढ़े॥
अनुचित कहि सब लोग पुकारे। रघुपति सयनहिं लखन नेवारे॥

लखन उतर आहुति सरिस, भृगुबर कोपु कृसानु।
बढ़त देखि जल सम बचन, बोले रघुकुल भानु॥

16. निम्नलिखित गद्यांश को सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6

दादू इतने शांत स्वभाव के थे कि किसी विवाद में उलझे ही नहीं। निंदा-स्तुति को उन्होंने समभाव से ग्रहण कर लिया था। उनके शिष्य हिन्दू और मुसलमान दोनों थे। उन्होंने अपने आचरण और उपदेशों

द्वारा पूरी मानवता के लिए एक समान पथ का आविष्कार किया। उन्होंने अपने विरोधियों से बहस कम की और समर्थकों को सलाह ज्यादा दी है।

अथवा

इस हेतु बहुत काल तक सोच समझ प्रथम यह विचार किया कि कोई देवालय बनाकर छोड़ जाऊँ, परन्तु थोड़ी ही देर में समझ में आ गया कि इन दिनों की सभ्यता के अनुसार इससे बड़ी कोई मूर्खता नहीं, और यह तो मुझे भली भाँति मालूम है कि यही अंग्रेजी शिक्षा रही तो मन्दिर की ओर मुख फेर कर भी कोई नहीं देखेगा। इस कारण विचार का परित्याग करना पड़ा। फिर पड़े-पड़े पुस्तक रचने की सूझी। परन्तु इस विचार में बड़े काँटे निकले क्योंकि बनाने की देर न होगी कि कीट 'क्रिटिक' काटकर आधी से अधिक निगल जायेंगे। यश के स्थान पर शुद्ध अपयश प्राप्त होगा।

17. 'अभी न होगा मेरा अंत: कविता में आपको किन-किन जीवन-मल्यों को अपनाने की प्रेरणा प्राप्त होती है। लिखिए। (उत्तर सीमा 200 शब्द) 6

अथवा

'ऊधौ मन माने की बात' गोपियों ने उदध्व से क्यों कहा? लिखिए।

18. ईश्वर-भक्ति को संत पीपा ने समाज सुधार का माध्यम बनाया। कथन का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए? (उत्तर सीमा 200 शब्द) 6 http://www.rbseonline.com

अथवा

"एक शहीद भी अपने प्राणों के बीज बोकर शहीदों की अमर फसल उगा सकता है।" अमर शहीद पाठ के आलोक में कथन का औचित्य स्पष्ट कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर 40 से 50 शब्दों में दीजिए :

19: 'मातृ वन्दना' कविता पाठ का मूल भाव लिखिए। 2

20. 'बूढ़े भारत में भी आई फिर से नई जवानी थी' कवयित्री के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए? 2

21. "वस्त्र और आभूषण स्त्री जीवन के बंधन हैं।" कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

22. 'प्राचीन भारत में नारी-शिक्षा प्रचलित थी' कथन के समर्थन में अपना मत दीजिए। 2

23. लेखक मोहन राकेश के मन में सूर्यास्त के बाद क्या भय समा गया था? 2

24. "तुम्हारी निन्दा वही करेगा, जिसकी तुमने भलाई की है।" 'ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से' पाठ के आधार पर कथन का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न संख्या 25 से 28 का उत्तर एक पंक्ति में दीजिए :

25. 'मारतहूँ पा परिअ तुम्हारे' लक्ष्मण के इस कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए? 1

26. झाँसी के राजा और लक्ष्मीबाई के मिलन को कवयित्री ने किसके समान बताया है? 1

27. लोकसंत दादू की गुरु परंपरा के बारे में क्या मान्यता प्रचलित है? 1

28. "कोई धेलचा कनकौआ किसी गंडेवाले कनकौए को काट गया हो।" वाक्य में 'धेलचा कनकौआ' और 'गंडेवाले कनकौए' का अर्थ वताइए। 1

29. निम्न रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए : 4

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) सूरदास

30. निम्नाङ्कित यातायात संकेतों का क्या अर्थ है? 4